



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 353]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 1, 2007/श्रावण 10, 1929

No. 353]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 1, 2007/SRAVANA 10, 1929

शहरी विकास मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2007

सा.का.नि. 523(अ).—रास्त्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, शहरी मामले और रोजगार मंत्रालय (शहरी विकास विभाग), केन्द्रीय इंजीनियरी (सिविल) समूह 'क' सेवा नियम, 1996 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शहरी मामले और रोजगार मंत्रालय (शहरी विकास विभाग), केन्द्रीय इंजीनियरी (सिविल) समूह 'क' सेवा (संशोधन) नियम, 2007 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. शहरी मामले और रोजगार मंत्रालय (शहरी विकास विभाग), केन्द्रीय इंजीनियरी (सिविल) समूह 'क' सेवा नियम, 1996 के नियम 7 (सेवा का भावी अनुरक्षण) में, खंड (iv) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :

“(iv) जहां ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों के संबंध में, जिन्होंने अपनी अर्हक या पात्रता सेवा पूरी कर ली है, प्रोन्ति के लिए विचार किया जा रहा हो वहां उनसे ज्येष्ठ व्यक्तियों के संबंध में भी विचार किया जाएगा, परन्तु यह तब जबकि उनके द्वारा की गई ऐसी अर्हक या पात्रता सेवा, अपेक्षित अर्हक या पात्रता सेवा के आधे से अधिक से या दो वर्ष से, इनमें से जो भी कम हो, कम न हो और, उन्होंने अपने ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों सहित, जिन्होंने ऐसी अर्हक/पात्रता सेवा पहले ही पूरी कर ली है, अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोन्ति के लिए, उन्होंने अपनी परिवीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली हो।”

[फा. सं. 28/4/2006-एस एंड डी/ई डब्ल्यू-1]

जे. एस. रावत, अवर सचिव

टिप्पणी : मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उप खंड (i) में संख्या सा.का.नि. 500(अ) तारीख 28 अक्टूबर, 1996 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया :—

- (i) सं. सा.का.नि. 118(अ)—तारीख 3 मार्च, 1998;
- (ii) सं. सा.का.नि. 107(अ)—तारीख 24 जनवरी, 2002;
- (iii) सं. सा.का.नि. 65(अ)—तारीख 24 जनवरी, 2003;
- (iv) सं. सा.का.नि. 102—तारीख 18 मार्च, 2005.

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th July, 2007

G.S.R. 523 (E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Urban Affairs and Employment (Department of Urban Development), Central Engineering (Civil) Group 'A' Service Rules, 1996, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Urban Affairs and Employment (Department of Urban Development), Central Engineering (Civil) Group 'A' Service (Amendment) Rules, 2007.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Ministry of Urban Affairs and Employment (Department of Urban Development), Central Engineering (Civil) Group 'A' Service Rules, 1996, in rule 7 (Future maintenance of the service), for clause (iv), the following clause shall be substituted, namely :—

"(iv) Where juniors who have completed their qualifying or eligibility service are being considered for promotion, their seniors would also be considered provided they are not short of the requisite qualifying or eligibility service by more than half of such qualifying or eligibility service or two years, whichever is less, and have successfully completed their period of probation for promotion to the next higher grade along with their juniors who have already completed such qualifying or eligibility service."

[F. N. 28/4/2006-S&D/FW-1]

J. S. RAWAT, Under Secy.

Note :— The principal rules were published in the Gazette of India Part-II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number G. S. R. 500 (E) dated 28th October, 1996 and subsequently by :—

- (i) No. G. S. R. 118 (E) dated the 3rd March, 1998;
- (ii) No. G. S. R. 107 (E) dated the 24th January, 2002;
- (iii) No. G. S. R. 65 (E) dated the 24th January, 2003;
- (iv) No. G. S. R. 102 dated the 18th March, 2005.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2007

सा.का.नि. 524(अ).—राष्ट्रपति, सर्विधान के अनुच्छेद 309 के परतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, शहरी मामले और रोजगार मंत्रालय (शहरी विकास विभाग), केन्द्रीय इंजीनियरी (वैद्युत एवं यांत्रिकी) समूह 'क' सेवा नियम, 1996 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शहरी मामले और रोजगार मंत्रालय (शहरी विकास विभाग), केन्द्रीय इंजीनियरी (वैद्युत एवं यांत्रिकी) समूह 'क' सेवा (संशोधन) नियम, 2007 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. शहरी मामले और रोजगार मंत्रालय (शहरी विकास विभाग), केन्द्रीय इंजीनियरी (वैद्युत एवं यांत्रिकी) समूह 'क' सेवा नियम, 1996 के नियम 7 (सेवा का भावी अनुरक्षण) में, खंड (iv) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :

"(iv) जहां ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों के संबंध में, जिन्होंने अपनी अर्हक या पात्रता सेवा पूरी कर ली है, प्रोन्ति के लिए विचार किया जा रहा हो वहां उनसे ज्येष्ठ व्यक्तियों के संबंध में भी विचार किया जाएगा, परन्तु यह तब जबकि उनके द्वारा की गई ऐसी अर्हक या पात्रता सेवा, अपेक्षित अर्हक या पात्रता सेवा के आधे से अधिक से या दो वर्ष से, इनमें से जो भी कम हो, कम न हो और, उन्होंने अपने ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों सहित, जिन्होंने ऐसी अर्हक/पात्रता सेवा पहले ही पूरी कर ली है, अगली उच्चतर श्रेणी में प्राप्ति के लिए, उन्होंने अपनी परिवीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली हो।"

[फा. सं. 28/4/2006-एस एंड डी/ई डब्ल्यू-1]

जे. एस. रावत, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उप खंड (i) में संख्या सा.का.नि. 501(अ) तारीख 28 अक्टूबर, 1996 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया :—

(i) सा.का.नि. 117(अ)—तारीख 3 मार्च, 1998;

- (ii) सं. सा.का.नि. 727(अ)—तारीख 25 अक्टूबर, 1999;
- (iii) सं. सा.का.नि. 108(अ)—तारीख 24 जनवरी, 2002;
- (iv) सं. सा.का.नि. 66(अ)—तारीख 24 जनवरी, 2003;
- (v) सं. सा.का.नि. 101—तारीख 18 मार्च, 2005.

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th July, 2007

G.S.R. 524(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Urban Affairs and Employment (Department of Urban Development), Central Engineering (Electrical and Mechanical) Group 'A' Service Rules, 1996, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Urban Affairs and Employment (Department of Urban Development), Central Engineering (Electrical and Mechanical) Group 'A' Service (Amendment) Rules, 2007.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Ministry of Urban Affairs and Employment (Department of Urban Development), Central Engineering (Electrical and Mechanical) Group 'A' Service Rules, 1996, in rule 7 (Future maintenance of the service), for clause (iv), the following clause shall be substituted, namely :—

“(iv) Where juniors who have completed their qualifying or eligibility service are being considered for promotion, their seniors would also be considered provided they are not short of the requisite qualifying or eligibility service by more than half of such qualifying or eligibility service or two years, whichever is less, and have successfully completed their period of probation for promotion to the next higher grade along with their juniors who have already completed such qualifying or eligibility service”.

[F. N. 28/4/2006-S&D/EW-I]

J. S. RAWAT, Under Secy.

Note :— The principal rules were published in the Gazette of India Part-II, Section 3, Sub-Section (i) *vide* number G. S. R. 501(E) dated the 28th October, 1996 and subsequently amended by :—

- (i) No. G. S. R. 117 (E) dated the 3rd March, 1998;
- (ii) No. G. S. R. 727 (E) dated the 25th October, 1999;
- (iii) No. G. S. R. 108 (E) dated the 24th January, 2002;
- (iv) No. G. S. R. 66 (E) dated the 24th January, 2003;
- (v) No. G. S. R. 101 dated the 18th March, 2005.